PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Wednesday, 23rd February 2011, Page: 4
Width: 13.42 cms Height: 8.09 cms, Ref: pmin.2011-02-23.45.31

बार कोड के विरोध में एसएमई दवा कंपनियां

बिजनेस भास्कर ◆ नई दिल्ली

छोटी और मझोली दवा कंपनियां नकली दवाओं पर रोकथाम के लिए बारकोड और यूआईडी का इस्तेमाल अनिवार्य करने के प्रस्ताव के खिलाफ लामबंद हो गई हैं। कंपनियों का कहना है बार कोड का प्रस्ताव लागू करने से सभी दवाओं की कीमतों में वृद्धि होगी। इससे एसएमएई दवा कंपनियों के कामकाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कंपनियों का कहना है कि जालसाजी की रोकथाम के लिए बारकोड का इस्तेमाल दवा बनाने वाली कंपनियां करतीं है। लेकिन दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में बारकोड की कोई भूमिका नहीं है। अधो मानक या खराब गुणवत्ता वाली और नकली दवा पर भी

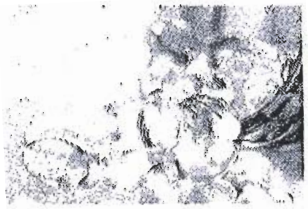

बारकोड हो सकता है।

एसएमई फार्मा इंडस्ट्रीज कंफेडरेशन के महासचिव जगदीप सिंह ने बिजनेस भास्कर को बताया कि हमने इस प्रस्ताव के विरोध में प्रधानमंत्री को पत्र भेजा है। इसके अलावा हम यह मुद्दा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष भी उठाने जा रहे हैं। बारकोड टेक्नोलॉजी सुरक्षित नहीं है। एसएमई दवा कंपनियों का कहना है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने वैश्विक स्तर पर जालसाजी और नकली व अधोमानक दवाओं को एक समान बताने का प्रचार शुरू कर दिया है। यहां तक कि पश्चिमी देशों में पेटेंट धारक की अनुमति के बिना भारतीय दवा कंपनियों द्वारा बनाई गई उच्च गुणवत्ता वाली दवा भी जालसाजी की कैटेगरी में आती है। भारत में दवाओं के निर्यात को झटका देने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां जालसाजी और नकली दवा के मुद्दे को एक समान बताने का अभियान चला रहीं हैं। जालसाजी जहां पेटेंट से जुड़ा मुद्दा है वहीं नकली दवा का मुद्दा लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा है। विदेश में दवा का निर्यात करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि एंटी-काउंटरफिटिंग सोल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनियों की एक लॉबी सक्रिय है।

Regulatory